# वासना की न खत्म होती आग-9

“दोस्त से चुद कर मुझे मज़ा आया था और उसे भी..
लेकिन वो अब फिर मिलने की जिद कर रहा था और
मेरा घर से निकलना मुश्किल था. तो मेरे दोस्त ने
मुझे चोदने की क्या योजना बनाई ? ...”

**Story By:** Saarika Kanwal (saarika.kanwal)
**Posted:** Monday, December 19th, 2016
**Categories:** कोई मिल गया
**Online version:** वासना की न खत्म होती आग-9


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# वासना की न खत्म होती आग-9

नमस्ते.. मेरे सभी प्रसंशकों की मैं भारी आभारी हूँ कि आप सभी को मेरी पिछली कहानी काफी पसंद आई।
मेरी आगे की कहानी उसी कड़ी से जुड़ी है। मैं अपने उस दोस्त से मिलकर काफी संतुष्ट थी और उनसे उस दिन के बाद भी याहू चैट पर बातें चलती रहीं।

हमारे मिलन को एक हफ़्ता गुजर चुका था.. और तारा भी वापस चली गई थी।

हम दोनों यूँ ही चैटिंग के जरिए अपने मन की मंशा शब्दों के जरिए एक-दूसरे को बताते रहे।

करीब दो महीने बीतने के बाद उन्होंने फिर से मिलने की जिद शुरू कर दी.. पर मेरे लिए ये मुमकिन नहीं था। फिलहाल तारा जा चुकी थी और मैं कोई बहाना नहीं बना सकती थी.. क्योंकि मुझे किसी और पर भरोसा नहीं था।

वो रोज मुझसे मिलने की बात करते.. पर मैं हमेशा बस कुछ बहाना बना कर टाल देती या उनको दिलासा देती 'मौका निकाल कर मिलूंगी।'

फिर एक दिन उन्होंने मुझे एक उपाय बताया। शुरू में तो मुझे बड़ा अटपटा सा लगा.. फिर सोचा कि चलो इसी बहाने कुछ नया अनुभव होगा।

उनके कुछ दोस्त एक व्यस्क दोस्तों को खोजने की साईट पर थे.. पहले तो उन्होंने मुझे एक दम्पति से वहाँ मिलवाया। फिर एक लड़की जो जबलपुर की थी उससे मिलवाया।
मैं उनसे बातें करने लगी और कुछ ही दिनों में दोस्ती भी हो गई पर अब भी मुझे भरोसा नहीं हो रहा था.. क्योंकि मैंने किसी को देखा नहीं था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर एक दिन मेरे फ़ोन पर एक सन्देश आया कि अगर मैं मिलना चाहती हूँ तो वो लोग हजारीबाग आ जाएंगे।
मैंने सन्देश से पूछा- कौन ?
तो जवाब आया- मेरा नाम शालू है, मैं आपसे मिलने के लिए आपको घर से ले सकती हूँ।

शालू और वे दम्पति एक-दूसरे से जुड़े हुए थे।

मैं पहले तो सकपका गई कि ये क्या हो रहा है.. क्योंकि मैं किसी मुसीबत में नहीं पड़ना चाहती थी।
मैं रात का इंतज़ार करने लगी ताकि मैं उस दोस्त से बात करके सब सच जान सकूँ।

रात के करीब 12 बजे हमारी बात शुरू हुई। मैंने सबसे पहले वही पूछा.. तब उन्होंने बताया- आपका नंबर शालू को मैंने ही दिया था।
मैं थोड़ा विचलित हो गई।

उन्होंने कहा- अगर आपकी राजी हों.. तो हम लोग आपसे आपके घर पर शालू को आपकी सहेली बना कर भेज सकते हैं, वो आपको बाहर ले जा सकती है।

मुझे पहले तो अटपटा सा लगा.. मैंने इंकार कर दिया.. क्योंकि इसमें बहुत खतरा था। वो मेरे बारे में आखिर जानती क्या थी.. जो मुझे यहाँ से निकाल कर ले जाती.. मेरे पति को क्या जवाब देती अगर वे कोई सवाल करते तो ?

मैंने साफ़ मना कर दिया.. पर वे लोग मुझे रोज जोर देने लगे। कभी कभी उनकी मादक इच्छाओं को देख मेरा भी मन होने लगता.. पर मुझे बहुत डर लगता।

कुछ दिनों के बाद उस लड़की शालू का फिर से सन्देश आया और वो मुझे याहू पर बात समझाने लगी.. अपनी तरकीब बताने लगी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर उस दम्पति ने भी मुझे अपनी बातों में उलझाने का प्रयास शुरू कर दिया, वो लोग मुझे रोज कहने लगे कि मैं बस अपनी मर्ज़ी 'हाँ' बता दूँ.. बाकी वो लोग तरकीब निकाल लेंगे।

तभी मेरी जेठानी के पिता के मरने की खबर आई और वो लोग सपरिवार चले गए। अब घर में बस मैं.. मेरे बच्चे और देवर थे।
मुझे लगा कि ये सही मौका है मेरे लिए और मैंने 'हाँ' कह दिया।

उन्होंने अपनी सारी तरकीब मुझे बता दी और मैंने भी अपनी सारी बातें बता दीं ताकि कोई सवाल करे.. तो वो लोग सही जवाब दे सकें।
उन्होंने दो दिन के बाद मुझे सन्देश भेजा कि वो लोग हजारीबाग में हैं और अगले दिन मेरे घर मुझे लेने वो दो औरतें आएँगी।

मेरा दिल जोर-जोर से धड़कने लगा कि भगवान जाने क्या होगा।

मैंने वासना की आग में भूल कर ये क्या कर दिया। कहीं किसी को शक हुआ तो क्या होगा। कहीं मेरी चोरी पकड़ी तो नहीं जाएगी.. बस यही सभी बातें सोचती हुई.. मैं रात भर सोई नहीं।

सुबह करीब 4 बजे मेरी आँख लगी और रोज की आदत होने के वजह से 6 बजे उठ गई। मेरे दिमाग में बस उनकी ही बातें थीं।
मैंने अब सोच लिया कि मैं उन्हें मना कर दूँगी।

करीब 9 बजे उनका फ़ोन आया.. तब मैंने पहली बार उस जबलपुर वाली लड़की से बात की।
उसने मुझसे कहा- मैं और एक और औरत तुम्हें लेने आ रही हैं.. तुम तैयार रहना।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने तुरंत जवाब दिया- मत आओ मुझे डर लग रहा है.. कहीं मेरी चोरी पकड़ी न जाए।
पर उन्होंने मुझे बहुत भरोसा दिया कि कुछ नहीं होगा.. वो सब कुछ संभाल लेंगी।

मैंने उनको बहुत समझाया.. पर वो नहीं मानी। तब मैंने तुरंत जा कर अपनी देवरानी को बताया- मुझसे मिलने मेरी दो सहेलियां आ रही हैं। हो सकता है कि मैं उनके साथ थोड़ा घूमने और बाज़ार करने शहर जाऊं.. क्या तुम चलोगी मेरे साथ ?

मैं जानती थी कि बच्चों की वजह से वो बाहर नहीं जा सकती और घर पर वो अकेली भी है.. पर उसे शक न हो इसलिए मैंने उससे जानबूझ कर साथ चलने के लिए कहा था।

उसने कहा- दीदी अगर मैं भी चली जाउंगी.. तो घर पर कौन रहेगा और बच्चों को अकेला कौन देखेगा और आपके देवर भी काम पर चले जायेंगे।
ये कह कर उसने मुझसे कहा- आप अकेली चली जाओ।
मैंने कहा- जरूरी नहीं कि मैं जाऊं ही.. मैंने इसलिए कहा कि हो सकता है वो मुझे साथ चलने के लिए कहें।

इतना कह कर मैं अपने देवर के पास गई और सारी बातें बता दीं।

देवर ने कहा- भाभी घर पर बड़े भैया और भाभी नहीं हैं.. सो मैं कुछ नहीं कह सकता.. पर अगर जाओ तो शाम तक लौट आना।

मैंने भी ज्यादा जोखिम न उठाते हुए तुरंत जेठानी को फ़ोन कर सारी बातें बता दीं.. तो उन्होंने शायद अपने घर की हालत देखते हुए ज्यादा बात नहीं की और इजाजत दे दी।

ये सारी बातें मेरे लिए कुछ राहत भरी थीं.. और अब मैं बस उनका इंतज़ार करने लगी।

करीब 20 मिनट के बाद मेरा फ़ोन बजा.. तो देखा कि शालू का फ़ोन था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने फ़ोन उठाया तो उसने कहा- मैं आपके घर के पास ही हूँ.. मुझे अपने घर का रास्ता बताओ।
मैंने उससे पूछा- फ़िलहाल कहाँ हो ?

मेरी मंशा थी कि मैं खुद जाकर उससे पहले बाहर मिल लूँ।
मैं उसके बताई हुई जगह पर जाने के लिए निकली और मैंने देवर से कहा- मेरी सहेलियाँ बाहर खड़ी हैं.. मैं उन्हें लेकर आती हूँ।

मैं उनके बताई जगह पर गई तो देखा एक कार खड़ी थी और कार से बाहर एक लड़की सलवार सूट में खड़ी थी.. शायद मुझे ढूँढ रही थी।

उसने मुझे देखते ही मेरा नाम लेकर मुझे पुकारा.. तो मैंने भी उसका नाम लिया।
फिर हम एक-दूसरे को पहचान गए।

मैं उनकी कार के पास गई तो अन्दर से एक और औरत जो बिल्कुल मेरी ही उम्र की थी.. बाहर आई और मुझसे हाथ मिलाते हुए कहा- बहुत सुना तुम्हारे बारे में।

मेरा तो दिमाग ही काम नहीं कर रहा था.. फिर भी अपने दिल की धड़कनों को काबू में करती हुई मैंने उन्हें घर आने को कहा।
रास्ते में वो मुझे कहती आईं कि मैं बिल्कुल न डरूं.. बाकी वो लोग सब संभाल लेंगे।

उन्होंने मुझे अपना परिचय दे दिया। एक शालू थी.. जो करीब 32 साल की थी.. पर शादीशुदा नहीं थी। दूसरी बबीता थी.. जिसके 2 बच्चे हैं और वो दिल्ली में रहती है।

वो लोग यहाँ अपनी एक रिश्तेदार की शादी में आई हुई थीं। उन्होंने पूरी कहानी गढ़ दी थी.. बस मुझे उस पर थोड़ा एक्टिंग करना था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

कार के ड्राईवर को वहीं गाड़ी में रहने दिया और मैं उन्हें लेकर घर आ गई। बच्चे तो अब तक स्कूल चले गए थे और देवर बस निकलने ही वाले थे।

देवर के जाते-जाते मैंने उन्हें मिलवा दिया और कहा- ये लोग मुझे साथ शहर चलने को कह रही हैं।

मेरे कहने के साथ ही वो दोनों मेरे देवर से विनती करने लगीं कि मुझे जाने दें.. शाम होने से पहले मुझे वापस छोड़ देंगे।
इस पर देवर ने 'हाँ' कह दिया और चले गए।

मैंने उन्हें बिठाया.. चाय नाश्ता दिया। फिर मैंने देवरानी को उनके सामने बातचीत करने को बिठा दिया और मैं अपने कमरे में तैयार होने चली गई।

मैं करीब 20 मिनट के बाद बाहर आई तो देखा कि वो लोग मेरी देवरानी से काफी घुल-मिल गई हैं.. मुझे और भी डर लगने लगा कि कहीं उन्होंने मेरा राज़ तो नहीं खोल दिया।
मैं उनसे बोली- चलें ?
तो उन्होंने तुरंत उठ कर चलने की तैयारी कर ली।

मेरी देवरानी से विदाई लेकर वो लोग मुझे अपने साथ ले कर कार में बैठ गए।

मैं जितना डर रही थी उतनी ही आसानी से सब कुछ हो गया। रास्ते में मुझे बबीता ने बताया कि वो अपने पति के साथ आई हुई है।

हम यूँ ही बस एक-दूसरे से जान-पहचान करते हुए शहर पहुँच गए और ड्राईवर ने एक बड़े से होटल के सामने कार खड़ी कर दी।
हम कार से निकले और ड्राईवर कार लेकर वहाँ से चला गया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हम होटल में गए और लिफ्ट से पांचवें माले पर गए, फिर हम तीनों वहाँ से एक कमरे की ओर बढ़े।
तब मैंने पूछा- मेरे वो दोस्त और बबीता का पति कहाँ है ?
इस पर शालू और बबीता हँसते हुए बोलीं- कमरे में चलो.. सब देख लेना खुद से।

शालू ने अपने बैग से कमरे की चाभी निकाली और दरवाजा खोला। उन्होंने अन्दर जाते हुए मुझे भी अन्दर आने को कहा और फिर दरवाजा अन्दर से बंद कर दिया।

कमरा क्या शानदार था.. चारों तरफ परदे और साज-सजावट थी.. जैसे कि किसी फिल्म में होता है। सामने सोफा और टेबल था और शायद बेडरूम अन्दर था।

मैं सोफे की तरफ बढ़ी.. पर वहाँ कोई दिखाई नहीं दे रहा था। थोड़ा और आ गए गई.. तो हल्की आवाज मेरे कानों में पड़ी.. जैसे कोई औरत कराह रही हो।

मुझे एक पल के लिए तो ऐसा लगा कि शायद मेरे कान बज रहे हैं क्योंकि वासना का ही तो खेल खेलने मैं इनके साथ आई थी।

तभी एक लड़की के चिल्लाने की तेज़ आवाज आकर शांत हो गई। मैं सपाक से उनकी तरफ देखते हुए पूछने लगी- यहाँ और कौन है ?
वो दोनों मुस्कुराते हुए मुझे अन्दर चलने को बोलीं और कहा- खुद देख लो।

अन्दर जाते ही जो नज़ारा मैंने देखा उसे देख कर तो मेरे जैसे होश ही उड़ गए।
उम्म्ह… अहह… हय… याह…

कहानी जारी रहेगी।
saarika.kanwal@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other stories you may be interested in

## नवम्बर 2016 की लोकप्रिय कहानियाँ

प्रिय अन्तर्वासना पाठको नवम्बर महीने में प्रकाशित कहानियों में से पाठकों की पसंद की पांच कहानियाँ आपके समक्ष प्रस्तुत हैं… तीन सहेलियाँ नंगी डिल्डो से खेली मैं मल्लिका राय… वही कैनेडा में मस्ती वाली… बात तब की है जब मैं […]

Full Story >>>

## ट्रेन में मुझे मिली लखनवी भाभी की चूत

हैलो, मैं ब्लैक हार्ट हूँ। मैं सब भाभियों को और गर्ल्स को अपने छोटे भाई (लंड) के साथ खड़े हो कर प्रणाम करता हूँ। मैं दिल्ली के एक पॉश एरिया से हूँ। आज मैं आपको अपनी चुदाई का किस्सा बताना […]

Full Story >>>

## सीधी सादी सहेली ने नीग्रो से चूत चुदवाई

यह कहानी मेरी सहेली ईशा की है, इसे मैं खुद लिख रही हूं तो मैं खुद को ईशा मान लेती हूँ और ईशा का पति राकेश की जगह मैं अपने पति रवि का नाम लिखूंगी। हमारी शादी को दस साल […]

Full Story >>>

## दीवाली के बाद रसभरी चुदाई की कुछ यादें-1

दोस्तो.. मैं जयदीप फिर से आपके लिए एक कहानी लेकर आया हूँ। यह बात दीवाली की है, हम दीवाली और दीवाली के दूसरे दिन से आरम्भ होने वाला गुजराती नव वर्ष (एक जनवरी से शुरू होने वाला नववर्ष अंग्रेजों का […]

Full Story >>>

## बीवी धमका कर हस्तमैथुन करवाती है

नमस्कार मित्रो, मैं परीक्षित आपके सामने उपस्थित हूँ एक अजीबोगरीब समस्या लेकर जो मुझे मेरे एक मित्र ने कुछ दिन बात करने के बाद भेजी है। सुनिये – मेरा नाम इमरान अहमद है, उम्र 29 वर्ष, लखनऊ उत्तर प्रदेश में […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

# Other sites in IPE

## Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

## Tamil Scandals

சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்

## Desi Tales

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

## IndianPornVideos.com

Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

## Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

## Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*